

प्रेषक

अतर सिंह  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग- 4

देहरादून : दिनांक ५ फरवरी, 2013

विषय- पं० दीन दयाल देवभूमि 108 आपातकालीन सेवा के लिये धन आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-6प/नियो०/49/2007/487 दिनांक 20.01.2013 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पं० दीन दयाल उपाध्याय देवभूमि 108 आपातकालीन सेवा के संचालन हेतु संलग्नक में अंकित विवरणानुसार अनुदान सं०-12 के अन्तर्गत ₹600.00लाख (छः करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त करते हुये आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि कोषागार से आहरित कर ई०एम०आर०आई० संस्था को 108 आपातकालीन सेवा के संचालन के लिये वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही किया जायेगा।
2. विभिन्न सामग्री आदि के क्रय/अधिप्राप्ति में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 की अनुपालना की जायेगी।
3. राज्य सरकार तथा ई०एम०आर०आई० के मध्य दिनांक 08.03.2008 को किये गये विस्तृत अनुबन्ध (एम०ओ०यू०) तथा व्यय वित्त समिति की बैठक दिनांक 14.03.2008 में दिये गये दिशा-निर्देशों/शर्तों के अनुसार ही धनराशि का व्यय सुनिश्चित किया जायेगा। फर्म को उपलब्ध करायी जा रही धनराशि का विस्तृत व्यय विवरण/उपयोगिता प्रमाण पत्र/प्रमाणित लेखा शासन को उपलब्ध कराया जायेगा तथा व्यय की सम्परीक्षा भी करायी जायेगी।
4. भविष्य में स्वीकृति हेतु प्रस्ताव करते समय ई०एम०आर०आई० संस्था को राज्य सरकार एवं अन्य स्रोतों से संचालन हेतु प्राप्त समस्त धनराशि के सापेक्ष माहवार व्यय विवरण प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जाय एवं समयबद्धता के आधार पर वर्ष 2011-12 के ऑडिटेड विवरण भी प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. उक्त धनराशि का आहरण/व्यय यथावश्यकता मितव्ययिता को ध्यान में रखकर नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
6. अग्रेत्तर योजनान्तर्गत स्वीकृति प्रस्तावित करते समय वर्तमान वित्तीय वर्ष में गत वर्ष की तुलना में एन०आर०एच०एम० से कम प्राप्त हो रही धनराशि के सम्बन्ध में भी स्थिति स्पष्ट की जायेगी तथा अनुबन्ध के प्राविधानुसार 2011-12 का ऑडिटेड विवरण भी दिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
7. योजना के संचालन के सम्बन्ध में वर्ष 2011-12 के ऑडिटेड विवरण में विभिन्न बिन्दुओं पर दी गयी टिप्पणी/दिये गये परामर्श को दृष्टिगत रखते हुए यथाअपेक्षित अनुबन्ध के बिन्दुओं के अन्तर्गत नियमानुसार समयबद्ध कार्यवाही पूर्ण करना तथा उक्त के सम्बन्ध में अनुपालन आख्या सलाहकार वित्त को भी अवलोकित करना सुनिश्चित किया जायेगा।



8. वित्त विभाग के शासनादेश सं०-183/XXVII(I)/2012 दिनांक 28.03.2012 में निहित निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जायेगा।
9. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 321/XXVII(I)/2012, दिनांक 19 जून 2012 में उल्लिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा।
10. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य 06-लोक स्वास्थ्य 101-रोगों का निवारण तथा नियंत्रण 99-राज्य सरकार द्वारा निजी सहभागिता के आधार पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन पीपीपी 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-234.(P)/XXVII(3) 2012-13 दिनांक 01मार्च, 2013 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : साफ्टवेयर आवंटन की प्रति।

भवदीय,

(अतर सिंह)  
उप सचिव

संख्या- 95 (1)/XXVIII-4-2013-51(11)/2012 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त कुमाऊँ/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
7. प्रबन्धक ई०एम०आर०आई०, हैदराबाद।
8. चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, प० दीन दयाल उपाध्याय चिकित्सालय, देहरादून।
9. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. चिकित्सा अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
11. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अतर सिंह)  
उप सचिव